श्री राणी सती चालीसा

॥ दोहा ॥

श्री गुरु पद पंकज नमन,

दूषित भाव सुधार।

राणी सती सुविमल यश,

बरणौं मति अनुसार।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

कामक्रोध मदलोभ में,

भरम रह्यो संसार।

शरण गहि करुणामयी,

सुख सम्पत्ति संसार।

॥ चौपाई ॥

नमो नमो श्री सती भवानी,

जग विख्यात सभी मन मानी।

नमो नमो संकटकूँ हरनी,

मन वांछित पूरन सब करनी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

नमो नमो जय जय जगदम्बा,

भक्तन काज न होय विलम्बा।

नमो नमो जय-जय जग तारिणी,

सेवक जन के काज सुधारिणी।

दिव्य रूप सिर चूँदर सोहे,

जगमगात कुण्डल मन मोहे।

माँग सिन्दूर सुकाजन टीकी,

गज मुक्ता नथ सुन्दर नीकी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

गल बैजन्ती माल बिराजे,

सोलहुँ साज बदन पे साजे।

धन्य भाग्य गुरसामलजी को,

महम डोकवा जन्म सती को।

तनधन दास पतिवर पाये,

आनन्द मंगल होत सवाये।

जालीराम पुत्र वधू होके,

वंश पवित्र किया कुल दोके।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

पति देव रण माँय झुझारे,

सती रूप हो शत्रु संहारे।

पति संग ले सद् गति पाई,

सुर मन हर्ष सुमन बरसाई।

धन्य धन्य उस राणा जी को,

सुफल हुवा कर दरस सती को।

विक्रम तेरा सौ बावनकूँ,

मंगसिर बदी नौमी मंगलकूँ।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

नगर झुंझुनु प्रगटी माता,

जग विख्यात सुमंगल दाता।

दूर देश के यात्री आवे,

धूप दीप नैवेद्य चढ़ावे।।

उछाड़-उछाड़ते हैं आनन्द से,

पूजा तन मन धन श्री फल से।

जात जड़ूला रात जगावे,

बाँसल गोती सभी मनावे।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

पूजन पाठ पठन द्विज करते,

वेद ध्वनि मुख से उच्चरते।

नाना भाँति-भाँति पकवाना,

विप्रजनों को न्यूत जिमाना।

श्रद्धा भक्ति सहित हरषाते,

सेवक मन वाँछित फल पाते।

जय जय कार करे नर नारी,

श्री राणी सती की बलिहारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

द्वार कोट नित नौबत बाजे,

होत श्रृंगार साज अति साजे।

रत्न सिंहासन झलके नीको,

पल-पल छिन-छिन ध्यान सती को।

भाद्र कृष्ण मावस दिन लीला,

भरता मेला रंग रंगीला।

भक्त सुजन की सकड़ भीड़ है,

दर्शन के हित नहीं छीड़ है।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अटल भुवन में ज्योति तिहारी,

तेज पुंज जग माँय उजियारी।

आदि शक्ति में मिली ज्योति है,

देश देश में भव भौति है।

नाना विधि सो पूजा करते,

निशदिन ध्यान तिहारा धरते।

कष्ट निवारिणी, दुःख न शिनी,

करुणामयी झुँझुनु वासिनी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

प्रथम सती नारायणी नामा,

द्वादश और हुई इसि धामा।

तिहूँ लोक में कीर्ति छाई,

श्री राणी सती की फिरी दुहाई।

सुबह शाम आरती उतारे,

नौबत घंटा ध्वनि टँकारे।

राग छत्तिसों बाजा बाजे,

तेरहुँ मण्ड सुन्दर अति साजे।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

त्राहि त्राहि मैं शरण आपकी,

पूरो मन की आश दास की।

मुझको एक भरोसो तेरो,

आन सुधारो कारज मेरो।

पूजा जप तप नेम न जानूँ,

निर्मल महिमा नित्य बखानूँ।

भक्तन की आपत्ति हर लेनी,

पुत्र पौत्र वर सम्पत्ति देनी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

पढ़े यह चालीसा जो शतबारा,

होय सिद्ध मन माँहि बिचारा।

गोपीराम (मैं) शरण ली थारी,

क्षमा करो सब चूक हमारी।

॥ दोहा ॥

दुख आपद विपदा हरण,

जग जीवन आधार।

बिगड़ी बात सुधारिये,

सब अपराध बिसार॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा